ना ये मांगता हूँ ना वो मांगता हूँ

ना ये मानता हूँ ना वो मांगता हूँ
गोबिंद मई तेरी ख़ुशी माँगता हूँ

जहाँ तुम रखोगे वाही मैं रहूँगा,
जहाँ नाथ रख लोगे वही मैं रहूँगा ।
आपने लिए आशिया मांगता हूँ ॥
ना ये मानता हूँ...

जो तुम कहोगे, करूँगा मैं दिलबर
तेरी ख़ुशी में ख़ुशी चाहता हूँ ।
ना ये मानता हूँ...

ये दुनिया ना रीझे, ना रीझेगी कभी भी
तुमसे ही आपन नाता चाहता हूँ ।
ना ये मानता हूँ...

मेरे हाथ टूटे हो मांगू मैं किसी से,
शहंशाह के दर से सदा मांगता हूँ ।
ना ये मानता हूँ...

स्वर : कपिल शर्मा

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1386/title/na-ye-maangta-hun-na-wo-maangta-hun-govind-main-teri-khushi-maangta-haun

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |